edit:arunjaity.qxd 9/26/2010 9:26 PM Page 177

ऐसे बहुत कम लोग होंगे जिन्हें मृत्यु के पश्चात समाचारपत्रों के संपादकीयों में स्थान मिला होगा। आमतौर पर राजनेता तो खबरों के कॉलम में सिमट कर रह जाते हैं। लेकिन नाना तो नाना थे। उन्होंने जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित किया था - राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, यहां तक कि आध्यात्मिक भी। इसीलिए, बहुत से संपादकों ने उन्हें अपने संपादकीयों के माध्यम से भी याद किया.....

अभिमत